कृषि विज्ञान केन्द्र, बरेली द्वारा फसल अवशेष प्रबन्धन विषय पर विकास खण्ड स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली द्वारा फसल अवशेष प्रबन्धन विषय पर विकास खण्ड स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन आज दिनाँक 21 नवम्बर, 2020 को कृषि विज्ञान केन्द्र प्रदर्शन फार्म पर किया गया। कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक (प्रसार शिक्षा) डॉ॰ महेश चन्दर ने फसल अवशेष प्रबन्धन के महत्व पर चर्चा करते हुये वर्तमान समय में इसकी अत्यधिक आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि फसल अवशेषों के बेहतर प्रबन्धन से मृदा स्वास्थ्य में सुधार के साथ-साथ खेत कि तैयारी, सिंचाई, उर्वरक, खरपतवार प्रबन्धन आदि पर आने वाली लागत में कमी आएगी। डॉ॰ राज करन सिंह, अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र ने कृषक उत्पादक संघ बनाकर सरकार से प्राप्त सुविधाओं का लाभ उठाने के साथ-साथ ब्रांडिंग, पैकेजिंग कर बेहतर मूल्य प्राप्त करने के लिये कृषकों को प्रेरित किया। श्री राकेश पाण्डे ने कार्यक्रम में पॉवर पॉइंट के माध्यम से फसल अवशेष प्रबन्धन की वर्तमान स्थिति, उपयोगी यन्त्र, उनके प्रयोग करने की परिस्थितियाँ तथा विधि, फसल अवशेष प्रबन्धन यन्त्रों के प्रयोग से मृदा स्वास्थ्य पर प्रभाव तथा आर्थिक लाभ, सरकार द्वारा फसल अवशेष प्रबन्धन यन्त्रों की खरीद पर अनुदान, पराली जलाने पर आर्थिक दण्ड आदि के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर श्री धर्मेन्द्र मिश्रा, डी॰डी॰एम॰ नाबार्ड ने बताया की जनपद में आठ कृषक उत्पादक संघों को फसल अवशेष प्रबन्धन

सम्बन्धी यन्त्र 80 प्रतिशत अनुदान पर दिये गए हैं। इन यन्त्रों का प्रयोग इस वर्ष क्षेत्र में किया गया है जिसका प्रभाव गेंहू की फसल में देखा जा सकता हैं। कार्यक्रम में 80 से अधिक कृषकों तथा 30 प्रसार अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया।